प्राचीन काल में बिहार को "मगध" के नाम से जाना जाता था। बिहार की राजधानी पटना का पहला नाम पाटलिपुत्र था| बिहार भारत के पूर्वी भाग में स्थित है।

राज्य की सीमा उत्तर में नेपाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश, दक्षिण में झारखंड और पूर्व में पश्चिम बंगाल से लगती है।भोजपुर जिले में तीन उपमंडल शामिल हैं - आरा सदर, जगदीशपुर और पीरो, जिसमें 14 विकास खंड हैं

बिहार का भूगोल

बिहार राज्य का कुल क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किलोमीटर है। बिहार राज्य कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है। जिसका भौगोलिक विस्तार 24° 20' 10' से 27° 31' 15' उत्तरी अक्षांश तथा 83° 19' 50' से 88° 17' 40' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित हैं|

बिहार की भौगोलिक आकृति जयमितिय दृष्टि से आयताकार है।, बिहार राज्य की कुल जनसंख्या 104,099,452 है (2011के रिपोर्ट के अनुसार)।

बिहार के उत्तर में नेपाल, पूर्व में पश्चिम बंगाल, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और दक्षिण में झारखंड स्थित है।बिहार यह जनसंख्या की दृष्टि से भारत का तीसरा सबसे बड़ा प्रदेश है|

बिहार क्षेत्रफल की दृष्टि से बारहवां है। 22 मार्च 1912 को बिहार को बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग कर राज्य बनाया गया था। फिर इसके बाद 1 अप्रैल 1936 को उड़ीसा को बिहार से अलग कर एक नया राज्य बनाया गया। करीब 23 वर्षों तक उड़ीसा बिहार के साथ रहा। 26 जनवरी 1950 को बिहार को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।

बिहार शीर्ष गेहूं उत्पादक क्षेत्र माना जाता है।बिहार में कुल 38 जिले हैं। जनसंख्या के आधार पर सबसे बड़ा ज़िला पटना और सबसे छोटा ज़िला शेखपुरा है, जबकि क्षेत्रफल के आधार पर सबसे बड़ा जिला पश्चिम चंपारण और सबसे छोटा ज़िला शिवहर है।

बिहार में सिंचाई के साधन

2001 में जिला प्रशासन द्वारा जारी जिला सांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार, महान सोन नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र 15,493 हेक्टेयर है, मध्य सोन नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र 14,940 हेक्टेयर है,

और छोटी नहरों द्वारा सिंचित क्षेत्र 18,379 हेक्टेयर है। सरकारी इलेक्ट्रॉनिक ट्यूबवेल 2,582 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करते हैं, और सरकारी इलेक्ट्रॉनिक ट्यूबवेल 2,099 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करते हैं।

आधुनिक बिहार का इतिहास PDF Click here

बिहार में शिक्षा दर

बिहार की शिक्षा दर 20वीं सदी के उत्तरार्ध में लगभग तिगुनी होकर राज्य की जनसंख्या के क़रीब 48% तक पहुंच गई है, फिर भी यह देश के अन्य राज्यों की शिक्षा दर की तुलना में काफ़ी नीचे है। महिला साक्षरता दर (33.57%) की तुलना में पुरुष साक्षरता दर (60.32%) लगभग दुगनी है।

बिहार की शिक्षा दर 2006 में 12.8% थी, सन् 2007 में गिरकर 6.3% हो गई, जो बहुत प्रभावशाली नहीं है। राज्य के ज्यादातर स्कूल बिहार विद्यालय परीक्षा मंडल के अंतर्गत आते हैं।

प्राचीन काल में बिहार शिक्षा के सर्वप्रमुख केन्द्रों में गिना जाता था। नालंदा विश्वविद्यालय, विक्रमशिला विश्वविद्यालय तथा ओदंतपुरी विश्वविद्यालय|

बिहार की भाषा

बिहार की प्रमुख भाषा हिंदी है। राज्य में अन्य कई भाषाएं बोली जाती हैं जिनमें उर्दू , भोजपुरी, मैथिली, मगही, बज्जिका और अंगिका शामिल है। भोजपुरी बिहार की बहुत लोकप्रिय भाषा है यह भारत की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।
मगही भाषा मौर्य साम्राज्य की आधिकारिक भाषा थी और भगवान बुद्ध भी इसे बोलते थे। मगही देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।

बिहार की संस्कृति और वेशभूषा

बिहार की संस्कृति एक महान ऐतिहासिक संस्कृति है। बिहार में मगध, अंग, मिथिला तथा वज्जी संस्कृतियों का मिश्रण है। शहरों और ग्रामीण लोगों की संस्कृति में ज्यादा फर्क देखने को नहीं मिलता है।

शहरों में भी लोग पारंपरिक रीति रिवाजों का पालन करते है तथा उनकी मान्यताएँ रुढिवादी है। यहाँ का समाज पुरूष प्रधान है। जातिवाद बिहार की राजनीति तथा आमजीवन का अभिन्न अंग रहा है। वर्तमान में काफी हद तक यह भेदभाव कम हो गया है।

बिहार में कई प्रकार के लोक गीत और नृत्य का विशेष अवसरों पर प्रदर्शन भी किया है। बच्चे के जन्म के समय ‘सोहर’ गाया जाता है, शादी के वक्त ‘सुमंगली’ गाते हैं, पहले धान को बोते समय ‘कटनीगीत’ गाया जाता है

फसल की कटाई के दौरान 'रोपनीगीत' गाते हैं। बिहार की कुछ प्रसिद्ध लोक नृत्य शैलियां गोंड नाच, धोबी नाच, झूमर नाच, जितिया नाच आदि हैं।

सन् 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार राज्य की जनसंख्या 104,099,452 करोड़ है।बिहार राज्य में पुरुषों की जनसंख्या 54,278,157 और महिलाओं की जनसंख्या 49,821,295 है।

बिहार में वर्तमान में जिलों की संख्या

वर्तमान में बिहार राज्य के 38 जिले है - अररिया, अरवल, औरंगाबाद, कटिहार, किशनगंज, कैमूर, खगरिया, गया, गोपालगंज, जमुई, जहानाबाद, दरभंगा, नवादा, नालंदा,

पटना, पश्चिम चंपारण, पूर्णिया, पूर्व चंपारण, बक्सर, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, मधुबनी, मधेपुरा, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, रोहतास, लखीसराय, वैशाली, शिवहर, शेखपुरा, समस्तीपुर, सरन, सहरसा, सिवान, सीतामढ़ी, और सुपौल।

बिहार की प्रमुख मिट्टियां

बिहार में मुख्य रूप से लाल मिट्टी, जलोढ़ मिट्टी, चिकनी मिट्टी तथा कलि मिट्टी पाई जाती है| यहाँ लगभग हर प्रकार की फसले उगाई जाती है क्योंकी बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार की मिट्टी पाई जाती है|

बिहार के अभ्यारण,जलकुंड व उनके उदगम स्थल

ब्रह्मकुंड , नानक कुंड , गोमुखकुंड राजगीर
सूर्यकुंड , मख दुम कुंड ,सप्तधारा या सतघरवा राजगीर
लक्ष्मण कुंड, सीता कुंड, रामेश्वर कुंड, भीम बांध अभ्या मुंगेर
ऋषि कुंड, श्रंगार ऋषि कुंड, जन्म कुंड, भारती मुंगेर
अग्नि कुंड, गौतम बुद्ध अभ्यारण गया
परमार डॉल्फिन अभ्यारण्य हरिया बारा हिरण पार्क अररिया
वाल्मिकी आश्रयणी, वाल्मिकीनगर राष्ट्रीय उद्यान पश्चिमी चंपारण
कैमूर अभ्यारण्य रोहतास (बिहार का सबसे बड़ा अभ्यारण्य)
संजय गाँधी जैविक उद्यान पटना
विक्रमशीला गंगा डॉलफिन अभ्यारण्य भागलपुर

बिहार का प्रसिद्ध भोजन

देश के प्रत्येक राज्य के लोगों का अपना अलग-2 भोजन है। बिहार अपने भोजन की विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनो व्यंजन पसंद किये जाते हैं।

मिठाईयों की विभिन्न किस्मों के अतिरिक्त अनरसा की गोली, खाजा, मोतीचूर का लड्डू, तिलकुट, सत्तू, चूड़ा-दही और लिट्टी-चोखा जैसे स्थानीय व्यंजन यहाँ के लोगों को बहुत पसंद है।

बिहार की नदियां व जलप्रपात

भुतही बलानी नदी।
गंगा नदी, कर्मनाश: नदी
पुनपुन नदी
गंडक नदी
बूढ़ी गंडक नदी
मोहनसोन नदी

महानंदा नदी

कोशी नदीसप्त कोशी

फाल्गु नदी, बागमती नदी

घाघरा नदी , अजय नदी

उत्तरी टैंक जलप्रपात
धुआ कुंड जलप्रपात
काकोलत जलप्रपात
मधुवधानम जलप्रपात
करकट जलप्रपात

Conclusion

आशा है की आप इस आर्टिकल को अच्छे समझ गए होंगे और अपनी तैयार को बेहतर बनाएंगे| क्योकि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है, जितना आप परिश्रम करेंगे उतना ही आप सफल होंगे| यदि आप के मन में इस आर्टिकल से सम्बंधित कोई सवाल हो तो आप मुझे कमेंट बॉक्स में msg कर सकते हैं|